शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर में हिन्दी सप्ताह - 2022 का आयोजन

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में हिन्दी सप्ताह **(14 से 20 सितंबर, 2022)** का आयोजन हुआ। दिनांक **14/09/2022** को **'हिन्दी दिवस'** के दिन हिन्दी सप्ताह -2022 का समारंभ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) एवं वैज्ञानिक -जी डॉ. तरुण कान्त ने सभी को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलवाई एवं संस्थान निदेशक श्री माना राम बालोच द्वारा 'हिंदी दिवस' के सम्बन्ध में जारी अपील को पढ़ा। तत्पश्चात संस्थान के कनिष्ठ अनुवादक, श्री अजय वशिष्ठ ने माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार के हिंदी दिवस पर दिए गए सन्देश को पढ़ा तथा हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं जैसे कार्यालयीन कार्यबोध, हिंदी निबंध, हिन्दी टंकण सामान्य व यूनिकोड एवं समापन समारोह के दिन आयोजित होने वाली स्व-रचित कविता-पाठ प्रतियोगिता की जानकारी दी।

' हिंदी दिवस' के दिन डॉ. तरुण कान्त , स. सम. (शोध) द्वारा दिलवाई गयी राजभाषा प्रतिज्ञा का दृश्य

हिंदी दिवस पर निदेशक द्वारा जारी अपील को पढ़ते हुए डॉ. तरुण कान्त ,समूह सम. (शोध) एवं वैज्ञानिक – जी

हिंदी सप्ताह-2022 के दौरान आयोजित हुई प्रतियोगिताओं में संस्थान के कर्मियों ने बढ़ -चढ़ कर भाग लिया।

हिन्दी सप्ताह-2022 का समापन समारोह दिनांक **20/09/2022** को आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि श्री ओम प्रकाश भाटिया ,कथाकार , विशिष्ट अतिथि श्री सत्यदेव संवितेंद्र, हिंदी तथा मारवाड़ी के कवि एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. कीर्ति माहेश्वरी , सहायक आचार्य , हिंदी विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर रहे। संस्थान निदेशक श्री माना राम बालोच, भा.व.से ने अतिथियों का स्वागत किया तथा मंचासीन अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का समारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि श्री ओम प्रकाश भाटिया का स्वागत करते हुए संस्थान निदेशक श्री एम.आर. बालोच, भा .व.से.

कार्यक्रम में स्वरचित कविता -पाठ प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें संस्थान कर्मियों ने अपनी -अपनी कविताएँ प्रस्तुत की।

हिंदी की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सहा.निदेशक(राजभाषा)

इस अवसर पर संस्थान के सहा. निदेशक (राजभाषा) श्री कैलाश चन्द गुप्ता ने हिंदी प्रगति की **वर्ष 2021-22** की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति पर प्रकाश डाला।

इसी क्रम में हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित हुई प्रतियोगिताओं में विजेता रहे प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण – पत्र प्रदान कर उनका उत्साह वर्धन किया। संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) एवं वैज्ञानिक – जी डॉ. तरुण कान्त ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रति आदर एवं जुड़ाव की जरुरत है साथ ही उन्होंने हिंदी भाषा से जुड़े कई दिलचस्प तथ्यों को साँझा किया।

समापन समारोह में डॉ. तरुण कान्त ,समूह सम. (शोध) एवं वैज्ञानिक – जी अपने विचार व्यक्त करते हुए

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि डॉ. कीर्ति माहेश्वरी ने अपने उदगार में हिंदी भाषा से जुड़े अपने अनुभवों को साँझा किया तथा हिंदी के प्रयोग में नवाचार लाने एवं सभी भाषाओं को महत्त्व देते हुए भावी पीढ़ी में हिंदी के प्रति भावनात्मक लगाव की जरुरत बताई।

समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए विशिष्ट अतिथि डॉ. कीर्ति माहेश्वरी

विशिष्ट अतिथि श्री सत्यदेव संवितेन्द्र ने अपने विचार व्यक्त करते हुए हिंदी भाषा से जुडी अपनी मौलिकता एवं नैतिकता के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया व कविता का आरम्भ करने के सम्बन्ध में जानकारियाँ दी तथा हिंदी की प्रसिद्द लेखिका मन्नू भंडारी जी के बारे में बताया साथ ही आपने हिंदी दिवस को हिंदी उत्सव के रूप में मनाए जाने की भावना पर बल दिया , आपने हिंदी को अस्मिता का आधार तथा जीवन का आवश्यक अंग बताते हुए कहा कि कनाडा, जर्मनी सहित अनेक देशों में हिंदी लोकप्रिय है। बाज़ार व्यवस्था में हिंदी को बड़ी जरुरत बताया। अंत में एक हिंदी गीत भी सुनाया।

समापन समारोह में अपने विचार प्रकट करते हुए विशिष्ट अतिथि श्री सत्यदेव संवितेन्द्र

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महोदय श्री ओम प्रकाश भाटिया ने अपने उद्बोधन में हमारी शिक्षा पद्धति और प्रगति में हिंदी भाषा के महान योगदान को रेखांकित किया। हिंदी को प्रशासनिक एवं विज्ञानं के क्षेत्रों में अपनाने तथा हिंदी के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने की जरुरत बताई आपने वर्तमान में शिक्षा पद्धति की कमियों को दूर करने एवं हिंदी को भाषा, विचारों एवं संवेदनाओं की वाहक बनाने की महत्ता को प्रतिपादित किया। हिंदी का प्रयोग आज भारत के हर क्षेत्र में चाहे वो सिनेमा हो या व्यापार जगत आदि में बढ़-चढ़ कर हो रहा है साथ ही आपने देश की आजादी के आंदोलन में हिंदी की भूमिका एवं भारत को एकता के सूत्र में बाँधने वाली भाषा के रूप में हिंदी पर प्रकाश डाला। आपने संस्थान में हो रहे हिंदी कामकाज की भी सराहना की।

समापन समारोह में अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि श्री ओम प्रकाश भाटिया

समापन समारोह के अवसर पर संस्थान निदेशक श्री माना राम बालोच ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हमारी मातृभाषा में कई ऐसे प्राचीन शब्द हैं जिनके पर्याय अन्य भाषा में सुलभ नहीं हैं तथा अपनी भाषा पर हमें गर्व करना चाहिए आपने अपनी प्रांतीय भाषाओँ तथा राजभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही आपने हाल ही में सूरत, गुजरात में हुए दूसरे '**अखिल भारतीय राजभाषा सम्मलेन**' के अपने अनुभव भी सभी के साथ साँझा किये।

समापन समारोह में सभागार को संबोधित करे हुए संस्थान निदेशक श्री एम.आर. बालोच, भा.व.से.

कार्यक्रम के अंत में निदेशक महोदय ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं विस्तार सामग्री भेंट की। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन एवं अंत में आभार- ज्ञापन कनिष्ठ अनुवादक श्री अजय वशिष्ठ ने किया।

समापन समारोह में सहभागिता देते संस्थान कर्मी

मीडिया कवरेज़

आफरी में राजभाषा प्रतिज्ञा का आयोजन किया

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान जोधपुर में हिन्दी दिवस पर राजभाषा प्रतिज्ञा का आयोजन किया।

जोधपुर, (कासं)। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर में हिन्दी दिवस के अवसर पर राजभाषा प्रतिज्ञा का आयोजन किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में सर्वप्रथम कनिष्ठ अनुवादक, राजभाषा प्रभाग, आफरी श्री अजय वशिष्ठ के द्वारा गृह मंत्री अमित शाह का देशवासियों के लिए संदेश पढ़ा गया। निदेशक आफरी माना राम बालोच (भावसे) ने भी इस अवसर पर आफरी के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं अनुसंधान विद्यार्थियों से इस संबंध में अपील की जिसे समूह समन्वयक (शोध) डॉ. तरुण कान्त (वैज्ञानिक) द्वारा पढ़ा गया। अंत में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं अनुसंधान विद्यार्थियों ने राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा प्रतिज्ञा ली।

आफरी में हिन्दी सप्ताह के विजेताओं का सम्मान

जोधपुर। हिन्दी में कार्य करना आसान है तथा हिन्दी मे अनेक सॉफ्टवेयर भी विकसित हुए है जिससे तकनीकी एंव वैज्ञानिक क्षेत्र में हिन्दी को बढावा दिया जा रहा है। यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान आफरी जोधपुर में हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह में आफरी निदेशक एमआर बालोच ने व्यक्त किए। बालोच ने हिन्दी को कठिन न बनाकर अन्य भाषाओ को भी महत्व देते हुए विकसित करने एवं सर्वसुलभ को उपलब्ध कराने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कथाकार ओमप्रकाश भाटिया ने हिन्दी को प्रसासनिक एवं विज्ञान के क्षेत्रों में अपनाने तथा हिन्दी के विकास में आने वाली भाषाओं को दूर करने की जरूरत बताई। विशिष्ट अतिथि कवि सत्येन्द्र सॅवितेन्द्र ने हिन्दी को अस्मिता का आधार तथा जीवन का आवश्यक अंग बताया। उन्होने बताया कि कनाडा, जर्मनी सहित अनेक देशो में हिन्दी लोकप्रिय है तथा बाजार व्यवस्था में हिन्दी सबसे बडी जरूरत है। विशिष्ट अतिथि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में हिन्दी की सहायक आचार्य डॉ. कीर्ति माहेश्वरी ने हिन्दी के प्रयोग में नवाचार लाने एवं सभी भाषाओं को महत्व देते हुए भावी पीढ़ी में हिन्दी के प्रति भावात्मक लगाव की जरूरत बताई। आफरी के समूह समन्व्यक शोध डॉ. तरूण कांत ने बताया कि राजभाषा हिन्दी के प्रति आदर एंव जुड़ाव की जरूरत है। आफरी के राजभाषा निदेशक डॉ. कैलाशचन्द्र गुप्ता ने हिन्दी सप्ताह की गतिविधियों तथा हिन्दी में आफरी द्वारा किए जा रहे कार्यो का समीक्षा विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अजय वशिष्ठ ने किया। हिन्दी सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की गई जिसमें हिन्दी टंकण (सामान्य) में राहुल अग्रवाल प्रथम, नरेन्द्र कुमार शारदा द्वितीय, अखिल सिंह भंडारी तृतीय, हिन्दी टंकण (यूनिकोड) में अखिल सिंह भंडारी एवं मीता सिंह तोमर संयुक्त रूप से प्रथम, प्रेम प्रकाश द्वितीय, परमवीर सोलकी तृतीय, कार्यलयीन कार्य बोध में कैलाश चौधरी प्रथम, जितेन्द्र भाटी द्वितीय सवाई सिंह राजपुरोहित तृतीय, हिन्दी निबंध में अखिल सिंह भंडारी प्रथम, सवाई सिंह राजपुरोहित तृतीय, प्रेम प्रकाश तृतीय, स्वरचित कविता पाठ में सवाई सिंह राजपुरोहित तृतीय एवं सोहनलाल गर्ग संयुक्त रूप से प्रथम,मीतासिंह तोमर द्वितीय, सरजलाल मीणा तृतीय रहे।

आफरी में हिन्दी सप्ताह का समापन

• विश्वास एक्सप्रेस

जोधपुर। हिन्दी में कार्य करना आसान है तथा हिन्दी मे अनेक सॉफ्टवेयर भी विकसित हुए है जिससे तकनीकी एंव वैज्ञानिक क्षेत्र में हिन्दी को बढावा दिया जा रहा है। यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान आफरी जोधपुर में हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह में आफरी निदेशक एमआर बालोच ने व्यक्त किए। बालोच ने हिन्दी को कठिन न बनाकर अन्य भाषाओ को भी महत्व देते हुए विकसित करने एवं सर्वसुलभ को उपलब्ध कराने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कथाकार ओमप्रकाश भाटिया ने हिन्दी को प्रसासनिक एवं विज्ञान के क्षेत्रों में अपनाने तथा हिन्दी के विकास में आने वाली भाषाओं को दूर करने की जरूरत बताई। भाटिया ने वर्तमान में शिक्षा पद्धति की खामियों को दूर करने एवं हिन्दी को भाषा विचारों एवं संवेदनाओं के वाहक बनाने की महता प्रतिपादित की। विशिष्ट अतिथि कवि सत्येन्द्र संवितेन्द्र ने हिन्दी को अस्मिता का आधार तथा जीवन का आवश्यक अंग बताया। उन्होने बताया कि कनाडा, जर्मनी सहित अनेक देशो में हिन्दी लोकप्रिय है तथा बाजार व्यवस्था में हिन्दी सबसे बडी जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में हिन्दी की सहायक आचार्य डॉ. कीर्ति माहेश्वरी ने हिन्दी के प्रयोग में नवाचार लाने एवं सभी भाषाओं को महत्व देते हुए भावी पीढ़ी में हिन्दी के प्रति भावात्मक लगाव की जरूरत बताई। उन्होने अनेक उदाहरणों से हिन्दी के प्रति अपने अनुकरणों को साझा किया। आफ़र के समूह समन्व्यक शोध डॉ. तरूण कांत ने बताया कि राजभाषा हिन्दी के प्रति आदर एंव जुड़ाव की जरूरत है। डॉ. कांत ने बताया कि विश्व में 34 करोड़ लोग हिन्दी से किसी न किसी प्रकार से जुड़े है। आफरी के राजभाषा निदेशक डॉ. कैलाशचन्द्र गुप्ता ने हिन्दी सप्ताह की गतिविधियों तथा हिन्दी में आफरी द्वारा किए जा रहे कार्यो का समीक्षा विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अजय वशिष्ठ ने किया। हिन्दी सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की गई जिसमें हिन्दी टंकण (सामान्य) में राहुल अग्रवाल प्रथम, नरेन्द्र कुमार शारदा द्वितीय, अखिल सिंह भंडारी तृतीय, हिन्दी टंकण (यूनिकोड) में अखिल सिंह भंडारी एवं मीता सिंह तोमर संयुक्त रूप से प्रथम, प्रेम प्रकाश द्वितीय, परमवीर सोलकी तृतीय, कार्यलयीन कार्य बोध में कैलाश चौधरी प्रथम, जितेन्द्र भाटी द्वितीय सवाई सिंह राजपुरोहित तृतीय, हिन्दी निबंध में अखिल सिंह भंडारी प्रथम, सवाई सिंह राजपुरोहित तृतीय, प्रेम प्रकाश तृतीय, स्वरचित कविता पाठ में सवाई सिंह राजपुरोहित तृतीय एवं सोहनलाल गर्ग संयुक्त रूप से प्रथम,मीतासिंह तोमर द्वितीय, सरजलाल मीणा तृतीय रहे।